1 कर्मवीर (कविता)

कविता का मूलभाव–मनुष्य का जीवन हर पल आशाओं और इच्छाओं से भरा रहता है। हर व्यक्ति अपनी आशाओं और इच्छाओं को पूरा करना चाहता है। इसके लिए वह निरंतर प्रयासरत रहता है। कठिन और दुर्गम कार्यों को करने से भी नहीं घबराता। यही प्रयास उसे सफलता की ओर अग्रसर करता है। ऐसे ही लोगों से देश और जाति की भलाई होगी। वे लोग ही देश का गौरव बनेंगे।

मूल्य–निरंतर प्रयासरत रहना, कठिनाइयों का सामना करना, आगे बढ़ना।

देखकर बाधा ..... फूले-फूले।

संदर्भ–प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक 'उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8' में संकलित कविता 'कर्मवीर' से ली गई हैं। इसके रचयिता कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं।

प्रसंग–प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने कर्मवीर मनुष्य के विषय में कहा है कि ऐसे लोग बाधाओं से घबराते नहीं, बल्कि उनका बहादुरी से सामना करते हैं।

भावार्थ–ऐसे लोग जो बाधाओं को देखकर विचलित नहीं होते, वे कितना भी कठिन कार्य हो उसको करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। अपने कार्यों को भाग्य के भरोसे पूरा करने के लिए नहीं छोड़ते हैं। ऐसे ही लोगों के बुरे से बुरे समय भी अच्छे हो जाते हैं। वे ही सदा सुखपूर्वक जीवन जीते हैं। अपनी सारी परेशानियों को अपने बुद्धिबल से दूर कर लेते हैं।

चिलचिलाती ..... सकते नहीं।

भावार्थ–कवि कहते हैं कि जो लोग सोच लेते हैं कि कोई काम असाध्य नहीं है, उनके लिए चिलचिलाती धूप भी चाँदनी के समान है। यदि आवश्यकता हुई तो वे वीरता पूर्वक कठिनाइयों का सामना करते हैं। चाहे कितना भी दुरुह मार्ग हो उसको चलकर पार कर लेते हैं। सभी विघ्न-बाधाओं को हँसते हुए दूर कर देते हैं। ऐसे लोगों के लिए कितना भी कठिन कार्य हो वे उसे करने की हिम्मत रखते हैं।

सब तरह ..... भी तभी।

भावार्थ–कवि कहते हैं कि वे देश जो संपन्न हैं, शिक्षित हैं, बुद्धि, विद्या, वैभव का जहाँ साम्राज्य है, उन देशों की इस स्थिति का कारण वही कर्मवीर लोग हैं। देश और समाज का उत्थान तभी संभव है जब देश में ऐसे कर्मवीर जन्म लेंगे। देश को ऐसे ही वीरों पर गर्व है जिन्होंने अपनी मेहनत बुद्धि और कर्मठता के बल पर देश का नाम ऊँचा किया है।

अभ्यास

फॉरमेटिव असेसमेंट–I **(Formative Assessment-I) based on CCE मौखिक**

कठिन शब्दों का शुद्ध रूप से उच्चारण कराएँ तथा कविता को जोशपूर्ण भाव में दो–तीन बार पढ़वाएँ। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर पूछें।

समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE लिखित

1. **विपरीतार्थक शब्द–**

   सपूत–कुपूत, कठिन–सरल, दु:ख–सुख, भलाई–बुराई, भले–बुरे।

2. **पर्याय शब्दों का मिलान**–विघ्न–रुकावट, बुद्धि–अक्ल, चंचल–चुलबुला, विविध–विभिन्न प्रकार के, विभव–ऐश्वर्य।

3. **तुक वाले शब्द**–घबराते–पछताते, उकताते, दिखलाते, भले–फूले, फले, पले।

4. **वाक्यों में प्रयोग–भाग्य के भरोसे रहना**–जो व्यक्ति आलसी और अकर्मठ होंगे वही भाग्य के भरोसे रहते हैं। **लोहे के चने चबाना**–अंग्रेज़ भी जानते थे कि भारतीय वीरों का सामना करना लोहे के चने चबाना है। **फलना-फूलना**–परिश्रम करने से ही व्यक्ति फलता-फूलता है। **जी में ठानना**–राणा प्रताप जी ने ये ठान लिया था कि अंग्रेज़ों को भारत से निकालेंगे।

5. **संकेत पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए**–(क) अयोध्या सिंह उपाध्याय, (ख) बाधा से, (ग) कर्मवीर व्यक्ति।

6. **अति लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए**–(क) बाधाओं और विघ्नों से कर्मवीर व्यक्ति नहीं घबराते हैं। (ख) लोहे के चने चबाने का अर्थ है कठिन कार्य करना।

7. **लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए**–(क) बुरे दिन अच्छे तब होंगे जब लोग विघ्न बाधाओं को देखकर घबराएँगे नहीं बल्कि उनका वीरता से सामना करेंगे। (ख) 'कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं, का भाव है–ऐसी कौन-सी मुश्किलें और बाधाएँ हैं जिन्हें कर्मवीर व्यक्ति पार नहीं कर सकते हैं। अर्थात कर्मवीर व्यक्ति प्रत्येक गाँठ रूपी बाधाओं को खोल सकते हैं।

8. **निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखिए–**(क) इस पाठ के अनुसार कर्मवीर व्यक्ति प्रत्येक बाधाओं को दूर कर सकते हैं। चिलचिलाती धूप को चाँदनी के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर शेर का भी सामना कर सकते हैं। किसी भी परेशानी को हँसते हुए दूर कर सकते हैं। (ख) इस प्रश्न का उत्तर भावार्थ में देखिए।

फॉरमेटिव असेसमेंट-II (Formative Assessment-II) based on CCE

आओ अब कुछ बात करें–बच्चों को बताएँ कि कर्म करने से ही उसका फल मिलता है तथा ऐसे महान पुरुषों से अवगत कराएँ जिन्होंने निरंतर संघर्ष करके महान कार्य किए हैं। इन विषयों से संबंधित विषय पर संवाद कराएँ।

परियोजना-निर्माण–छायावादी युग के कवियों के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें।